Success Story of National Lok Adalat Held on 08.04.2017

1. **Hanuman @ Bhawani Singh V/s Sita, 249/2016 u/s 13 HMA** –

यह प्रकरण अजमेर जिले के पारिवारिक न्यायालय के समक्ष लम्बित था और राष्ट्रीय लोक अदालत में अध्यक्ष, जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं अन्य दो सदस्यों के समक्ष पेश हुआ।

इस प्रकरण में परिवादी के द्वारा अपनी पत्नी के अधिकांश समय पीहर में रहने, हाथापाई करने एवं बच्चों को नई संभालने आदि तथ्यों का उल्लेख करते हुए प्रार्थना–पत्र पेश किया था। यह प्रकरण करीब 04 वर्ष से लम्बित होकर बहस (Argument)के चरण पर था।

लोक अदालत बैंच के द्वारा पक्षकारों को एक साथ बैठाकर राजीनामे का प्रयास किया जिस पर दोनों पक्षकार साथ–साथ रहने के लिए राजी हो गए और इस प्रकार चार वर्ष पुराने पारिवारिक प्रकरण का राजीनामे से निस्तारण हो गया।

2. **Girdhari Lal V/S Sundari, 99/14 u/s 13 HMA-**

यह प्रकरण पाली जिले के पारिवारिक न्यायालय में करीब 03 वर्षों से लम्बित था जिसमें पति के द्वारा पत्नी के विरूद्ध बच्चों की धर्मजता आदि के आरोप लगाए गए थे। इस प्रकरण में पक्षकारों की शादी वर्ष 2007 में हुई थी और जुलाई, 2012 से दोनों पक्षकार अलग–अलग रह रहे थे। लोक अदालत बैंच के द्वारा पक्षकारों को एक साथ बैठाकर राजीनामे का प्रयास किया जिस पर दोनों पक्षकार साथ–साथ रहने के लिए राजी हो गए और इस प्रकार 05 वर्ष पुराने पारिवारिक मनमुटाव का राजीनामे से निस्तारण हो गया।

3. **Ganesh V/S Pooja, 51/16 u/s 09 HMA-**

जयपुर महानगर के पारिवारिक न्यायालय–प्रथम में यह प्रकरण वर्ष 2015 से लम्बित था जिसमें पक्षकारों का विवाह वर्ष 2005 में हुआ था, किन्तु पक्षकारों के बीच पारिवारिक मनमुटाव होने के कारण पत्नी अपने पीहर में रहकर पति को घर

जवांई बनने के लिए दबाव बनाने लगी। जिसपर पति के द्वारा यह प्रकरण वर्ष 2015 में दर्ज करवाया गया।

लोक अदालत बैंच के द्वारा पक्षकारों को एक साथ बैठाकर राजीनामे का प्रयास किया जिस पर दोनों पक्षकार साथ–साथ रहने के लिए राजी हो गए और इस प्रकार पारिवारिक मनमुटाव का राजीनामे से निस्तारण हो गया।

****